कोल इंडिया के
50वें स्थापना दिवस
के पावन अवसर पर
ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का
अपने समस्त हितधारकों को संदेश

ECL

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो० – डिसरगढ़, जिला : पश्चिम बर्द्धमान

मेर प्रिय साथियों,

आज, अद्‌भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय संयोग बना है। दीपोत्सव से कोल इंडिया के 50वें वर्ष का शुभारंभ हुआ है और सारा राष्ट्र प्रकाशमान हुआ है। इससे निकली ऊर्जा संपूर्ण भारतवर्ष में नई उमंग और नए उत्साह का संचार कर रही है। मानो ऐसा लग रहा है कि सारा राष्ट्र हम कोल कर्मियों का अभिनंदन कर रहा है। आज, कोल इंडिया के 50वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों के कल्याण की कामना करता हूँ। सभी कोल कर्मियों और उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और आपके स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध जीवनशैली की कामना करता हूँ।

आज दिन है, स्मरण करने का कि किस प्रकार कोल कर्मियों ने राष्ट्र को रौशन करने में अपनी सत्यनिष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। आज ही वो दिन है जब हम मूल्यांकन करते हैं कि कैसे और किस प्रकार हमने यह लंबी यात्रा तय की है। इसी मूल्यांकन से हम कोल कर्मियों को एक प्रेरणाशक्ति मिलती है जिससे हम भारत की नित्य संवर्धित ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में सदा श्रद्धा भाव से श्रमरत रहते हैं।

हमारी सत्यनिष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा पर्यावरण, कोयला गुणवत्ता, खान सुरक्षा, सामाजिक निगमित दायित्व, कर्मियों का कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, महिलाओं एवं दिव्यांग जनों का सशक्तिकरण, नित्य नई तकनीकों के साथ सक्षमता में परिलक्षित होती है। हमारी सत्यनिष्ठा दृढ़ इच्छाशक्ति और सटीक निर्णयों से परियोजनाओं की समीक्षा कर सकारात्मक परिणाम पाने में होती हैं। हम सदा आर्थिक उन्नति के अवसर बनाते हैं। जटिलताओं में कमी और सुविधाओं में वृद्धि करते हैं। बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं में तेजी लाते हैं। साथ ही, विवादों का समाधान हम आपसी संवाद से करते हैं। हमारी सत्यनिष्ठा सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेही तंत्र को स्थापित करने के प्रति है। ईसीएल ने लंबित मामलों को कम करने के लिए ग्राम सभा, प्रेस सम्मिलन, पर्यावरण गतिविधियों में जनभागीदारी, पेंशन अदालत, सतर्कता जागरूकता, स्वच्छता ही सेवा, साइबर सुरक्षा जागरूकता आदि कई विशेष अभियान चलाएँ हैं।

भारत के भविष्य को आकार देने में कोयला उद्योग सदैव एक गतिशील भूमिका निभाती आयी है। ईसीएल ने बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में कई मील के पत्थर देखे हैं। प्रत्येक नई परियोजना आधुनिकीकरण और विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा निगमित सामाजिक दायित्व एक नई मानसिकता, निरंतर निगरानी, मिशन मोड में कार्यान्वयन और जन भागीदारी पर आधारित हैं, जिन्होंने महत्वपूर्ण लक्ष्यों की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त किया है।

साथियों, हमारा कुल कारबार विद्युत क्षेत्र, सीमेंट, स्टील, स्पॉन्ज ऑयरन, ई–ऑक्सन, सीपीसी एवं अन्य माध्यमों से होता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में, हमने अभी तक 54 मि. टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य में 23.75 मि. टन, 54 मि. टन कुल कारबार (ऑफटेक) के लक्ष्य में 26.35 मि. टन, 150 मि. घनमीटर उपरि अधिभार हटाव (ओबीआर) के लक्ष्य में 96.73 मि. घनमीटर की प्राप्ति की है जो कार्य–निष्पादन के परिप्रेक्ष्य में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में क्रमशः 97%, 91% एवं 127% हैं और वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में क्रमशः 14%, 27% एवं 26.78% हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड के एक बिलियन टन के विजन 2030–35 में सशक्त योगदान देने के लिए ईसीएल 86 मि. टन कोयला उत्पादन के लिए योजनाबद्ध है जिसमें हमारे 73 खानों के साथ

अतिरिक्त 06 नई परियोजनाएँ सहायक सिद्ध होगी जिसमें राजमहल परियोजना, सोनपुर बजारी परियोजना, झांझरा भूमिगत खान, मोहनपुर परियोजना, चितरा पूर्वी परियोजना, नकराकोंडा–कुमारडीह बी परियोजना, कुमारडीह बी सीएम भूमिगत खान, हुर्रा सी परियोजना, खोट्टाडीह परियोजना, गौरांगडीह–बेगुनिया परियोजना, बोंजेमेहारी परियोजना, शिवसुंदरपुर इंक्लाइन सर्पी, इटापाड़ा परियोजना, न्यू केंदा परियोजना, परासिया–बेलबाद, तिलाबोनी एवं अन्य का सशक्त योगदान होगा।

ईसीएल अगले पाँच वर्षों में अपने भूमिगत खानों से 16.5 मि. टन प्रतिवर्ष कोयला उत्पादन के लिए योजनाबद्ध है। वर्तमान में यह लक्ष्य 10.5 मि. टन प्रतिवर्ष है। ईसीएल में आधुनिक खनन तकनीकी सक्षमता में वृद्धि के लिए अगले पाँच वर्ष में झांझरा, सर्पी, तिलाबोनी, परासिया–बेलबाद, सिदुली, बांसड़ा और शामपुर बी में कुल 18 कंटीन्यूअस माइनर, राजपुरा में 01 हाइवाल माइनिंग, राजमहल एवं हुर्रा सी में 02 सर्फेस माइनर का समावेशन करने जा रही है।

साथ ही, ईसीएल भूमिगत कोयला गैसीकरण (UCG) एवं सतही कोयला गैसीकरण (SCG) तकनीक पर तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में, झारखण्ड राज्य में अवस्थित पाण्डवेश्वर क्षेत्र के कास्ता वेस्ट ब्लॉक में यूसीजी के लिए ड्रिलिंग का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसमें सीएमपीडीआईएल एवं ईसीएल प्रधान क्रियान्वयन एजेंसी है तो कनाडा की ERGO उप क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। और, कोयला से एससीजी संयंत्र की अधिस्थापना के लिए सीआईएल और गेल इंडिया ने संयुक्त उद्यम (Joint Venture) किया है।

संथाल परगना का राष्ट्र की प्रगति में सदा सराहनीय योगदान रहा है। जनजातीय समाज का तेज विकास हमारा संकल्प है। वर्तमान में, ईसीएल दुमका जिले में अपने तीन बहुप्रतिष्ठित ब्राह्मणी–चिरचोरपास्टिमल ब्लॉक (800 मि.टन कोयला भंडार), अमरकोंडा मुर्गादंगल ब्लॉक (95 मि.टन कोयला भंडार) एवं क्यादा चौधर गरियापानी ब्लॉक (73 मि.टन कोयला भंडार) में खनन कार्य करने के लिए प्रक्रियारत है। हमारे आदिवासी युवा आगे बढ़ेंगे और उनके सामर्थ्य का लाभ देश को मिलेगा। संथाल परगना के जनजीवन में समृद्धि से झारखण्ड राज्य के स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ होगा, ऐसी कामना करता हूँ।

साथियों, ईसीएल, कोयला उत्पादन तथा प्रेषण को पर्यावरणीय अनुकूलता के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से अपने बुनियादी ढांचे को और मजबूत एवं आधुनिक बना रही है। कंपनी, "फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी" के अंतर्गत पिटहेड से कोयला प्रेषण स्थल (डिस्पैच पाइंट) तक अपनी कोयला परिवहन प्रणाली को और अधिक सुरक्षित, तेज एवं पर्यावरण के अनुकूल बना रही है जिसके तहत ईसीएल चरणबद्ध तरीके से 40.75 मि टन प्रतिवर्ष क्षमता के 10 "फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी" परियोजनाओं पर कार्य कर रही है जिसमें से एक सोनपुर बाजारी में 12 मि.टन प्रतिवर्ष क्षमता वाली सीएचपी एवं रेलवे साइडिंग अपनी सेवाएँ देना आरंभ कर दी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में झांझरा भूमिगत सीएचपी व साइलो, राजमहल सीएचपी व साइलो, हुर्रा सी सीएचपी व साइलो एवं कुमारडीह बी सीएम यूजी सीएचपी परियोजनाएँ अपनी सेवाएँ देना आरंभ कर देगी।

यह सर्वविदित हैं कि भारत सरकार गैर–परम्परागत अक्षय ऊर्जा के विकास को काफी महत्त्व दे रही है। सूक्ष्म स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए ईसीएल प्रतिबद्ध है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 48.732 मेगावट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य है जिसमें रूफ टॉप सोलर, ग्राउंड माउंटेड सोलर और प्लोटिंग सोलर सम्मिलित है। इससे कार्बन–डाइ–ऑक्साइड उत्सर्जन को

रोकने, हमारी दैनंदिन कार्यालयीन विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति तथा विद्युत पर हमारे वार्षिक खर्च को कम करने में सहायक सिद्ध होगी।

ईसीएल नदी पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार एवं कंपनी के समग्र रेत भंडारण लागत को कम करने के लिए काजोड़ा क्षेत्र के जामबाद खुली खदान में एक प्रसंस्कृत ओबी संयंत्र (Processed OB Plant) की अधिस्थापना की है और आने वाले वर्ष में 02 और ऐसे संयंत्रों को अधिस्थापित करने की योजना बनाई है ताकि निकटवर्ती भूमिगत खानों में स्टोइंग के लिए रेत का उपयोग किया जा सके।

पिछले 10 वर्षों में, ईसीएल ने खनन क्षेत्रों में और उसके आस–पास 26.78 लाख से अधिक पौधे लगाकर लगभग 1181.62 हेक्टेयर भूमि को वृक्षारोपण के तहत लाया है। इस वर्ष भी ईसीएल 160 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में हरित आवरण सृजित करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा, ईसीएल ने स्थानीय ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए अपने कमान क्षेत्रों के भीतर 27 पार्क और उद्यान विकसित किए हैं। हमारे खानों से निकलने वाले जल की उपयोगिता सिद्धि के लिए ईसीएल जनकल्याणकारी भाव से समर्पित है। खान से निकले जल को ईसीएल अपने औद्योगिक और घरेलू स्तर पर स्वयं के उपयोग के साथ–साथ परियोजनाओं के समीपवर्ती ग्रामों में सिंचाई, घरेलू कार्य एवं पेय जल के रूप में उपयोग करने के लिए उपलब्ध करा रही है जिससे तीन लाख से अधिक ग्रामीण जन लाभान्वित हो रहे हैं।

साथियों, कोयला क्षेत्र भारत के विकास की गाथा है, आकांक्षाओं की उड़ान और उत्कर्ष का प्रतीक है। ईसीएल आज से पूरा वर्ष अपना 50वाँ स्थापना दिवस सांस्कृतिक नवजागरण, आर्थिक समृद्धि, कौशल विकास, सामाजिक जनकल्याण, स्वच्छता व स्वास्थ्य की सजगता के रूप में हर्षोल्लास से मनाने जा रही है। आज कोल इंडिया के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर, ईसीएल द्वारा अबतक अर्जित की गई कामयाबी में पूर्ण सहयोग के लिए और समरूप से अधिकतम भविष्यत् सहयोग की प्रत्याशा के साथ मैं, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखण्ड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सीआईएसएफ, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ–साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, शुभचिंतकों तथा शताक्षी महिला मण्डल के प्रति आभार प्रकट करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा कंपनी के सभी ऊर्जस्वित कर्मशक्ति संपन्न श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ–साथ परियोजना प्रभावित ग्रामीण जनों का आह्वान करता हूँ कि अपने–अपने कर्तव्य बोध के साथ आगे आकर स्वर्णिम राष्ट्र के निर्माण में अपनी एवं ईसीएल की महती भूमिका को सिद्ध करें। आपकी सेवा, समर्पण और संकल्प के अमृत से आत्मनिर्भर होगा भारत और सार्थक होगी ईसीएल और परियोजना प्रभावित जनों की मेहनत।

जय हिंद !

01.11.2024

कर्तव्यपरायण,

(समीरन दत्ता)

अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित